मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 10 जून, 2025

मुविवि में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

एक वर्ष पूर्ण होने पर हुआ कुलपति का अभिनंदन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दिनांक 10 जून, 2025 को मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी रहे।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के कार्यकाल के एक वर्ष के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर शिक्षकों ने कहा कि विश्वविद्यालय को हमेशा आगे बढ़ाने में यहां के विद्वान कुलपतियों का विशेष योगदान रहा है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के विद्वान प्रोफेसर सत्यकाम के नेतृत्व में मुक्त विश्वविद्यालय ने विगत एक वर्ष में महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। जिनमें स्व अध्ययन पाठ्य सामग्री लेखन तथा यूजीसी द्वारा 12 बी की मान्यता मिलना प्रमुख है। निश्चय ही उनके नेतृत्व में यह विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा संस्थानों के लिए नए मानक स्थापित करेगा।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के सम्मान में शिक्षकों ने उन्हें अभिनंदन पत्र भेंट किया। समारोह का संचालन डॉ आनंदानंद त्रिपाठी तथा संगोष्ठी की विषयवस्तु प्रोफेसर एस कुमार ने प्रस्तुत की। अभिनंदन पत्र का वाचन डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पीके स्टालिन, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसर श्रुति, प्रोफेसर जे पी यादव आदि उपस्थित रहे।

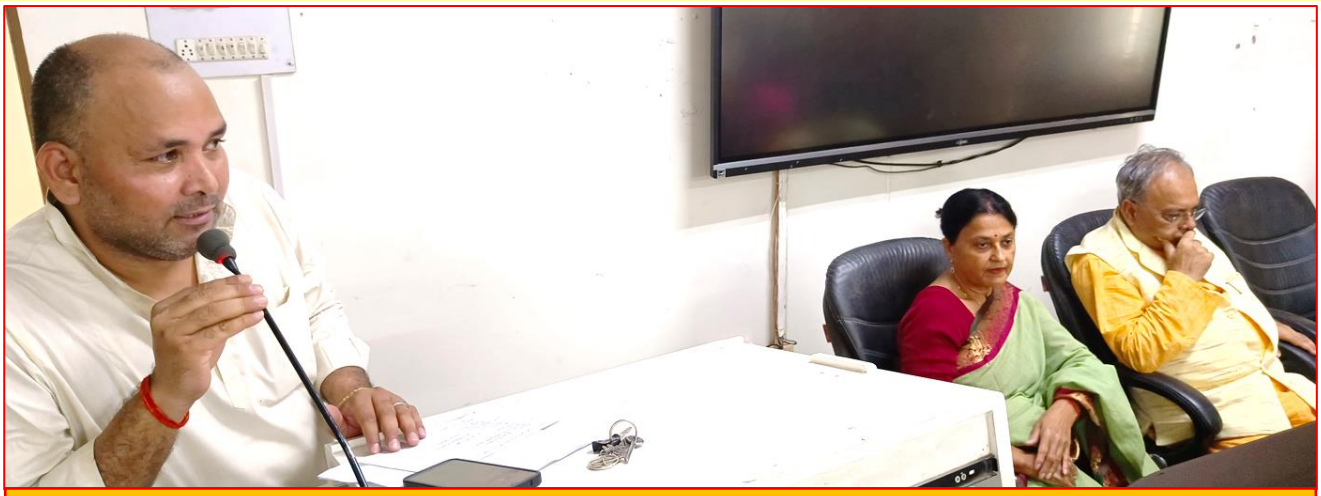

संचालन करते हुए डॉ आनंदानंद त्रिपाठी

माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, एवं तुलसी का पौधा भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

संगोष्ठी की विषयवस्तु प्रस्तुत करते हुए प्रोफेसर एस कुमार

अभिनंदन पत्र का वाचन करते हुए डॉ त्रिविक्रम तिवारी

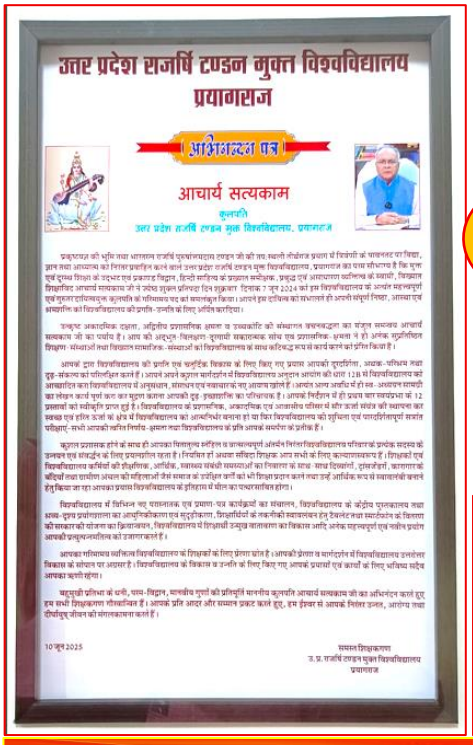

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

अभिनन्दन पत्र

आचार्य सत्यकाम
कुलपति
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रकृष्टयज्ञ की भूमि तथा भारतरत्न राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन जी की तपःस्थली तीर्थराज प्रयाग में त्रिवेणी के पावनतट पर विद्या, ज्ञान तथा आध्यात्म को निरंतर प्रवाहित करने वाले उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का परम सौभाग्य है कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के उद्भट एवं प्रकाण्ड विद्वान, हिन्दी साहित्य के प्रख्यात समीक्षक, प्रबुद्ध एवं असाधारण व्यक्तित्व के स्वामी, विख्यात शिक्षाविद आचार्य सत्यकाम जी ने ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा दिन शुक्रवार दिनांक 7 जून 2024 को इस विश्वविद्यालय के अत्यंत महत्वपूर्ण एवं गुरुतर दायित्वयुक्त कुलपति के गरिमामय पद को समलंकृत किया। आपने इस दायित्व को संभालते ही अपनी संपूर्ण निष्ठा, आस्था एवं श्रमशक्ति को विश्वविद्यालय की प्रगति-उन्नति के लिए अर्पित कर दिया।

उत्कृष्ट अकादमिक दक्षता, अद्वितीय प्रशासनिक क्षमता व उच्चकोटि की संस्थागत वचनबद्धता का मंजुल समन्वय आचार्य सत्यकाम जी का पर्याय है। आप की अद्भुत-विलक्षण-दूरगामी सकारात्मक सोच एवं प्रशासनिक-क्षमता ने ही अनेक सुप्रतिष्ठित शिक्षण-संस्थाओं तथा विख्यात सामाजिक-संस्थाओं को विश्वविद्यालय के साथ कटिबद्ध रूप से कार्य करने को प्रेरित किया है।

आपके द्वारा विश्वविद्यालय की प्रगति एवं चतुर्दिक विकास के लिए किए गए प्रयास आपकी दूरदर्शिता, अथक-परिश्रम तथा दृढ़-संकल्प को परिलक्षित करते हैं। आपने अपने कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 12B से विश्वविद्यालय को आच्छादित करा विश्वविद्यालय में अनुसंधान, संसाधन एवं नवाचार के नए आयाम खोले हैं। अत्यंत अल्प अवधि में ही स्व-अध्ययन सामग्री का लेखन कार्य पूर्ण करा कर मुद्रण कराना आपकी दृढ़-इच्छाशक्ति का परिचायक है। आपके निर्देशन में ही प्रथम बार स्वयंप्रभा के 12 प्रस्तावों को स्वीकृति प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक, अकादमिक एवं आवासीय परिसर में सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना कर स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को आत्मनिर्भर बनाना हो या फिर विश्वविद्यालय की शुचिता एवं पारदर्शितापूर्ण सत्रांत परीक्षाएं-सभी आपकी त्वरित निर्णय-क्षमता तथा विश्वविद्यालय के प्रति आपके समर्पण के प्रतीक हैं।

कुशल प्रशासक होने के साथ ही आपका पितातुल्य स्नेहिल व वात्सल्यपूर्ण अंतर्मन निरंतर विश्वविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य के उन्नयन एवं संवर्द्धन के लिए प्रयत्नशील रहता है। नियमित हों अथवा संविदा शिक्षक आप सभी के लिए कल्याणस्वरूप हैं। शिक्षकों एवं विश्वविद्यालय कर्मियों की शैक्षणिक, आर्थिक, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निवारण के साथ-साथ दिव्यांगों, ट्रांसजेंडरों, कारागार के बंदियों तथा ग्रामीण अंचल की महिलाओं जैसे समाज के उपेक्षित वर्गों को भी शिक्षा प्रदान करने तथा उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने हेतु किया जा रहा आपका प्रयास विश्वविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा।

विश्वविद्यालय में विभिन्न नए परास्नातक एवं प्रमाण-पत्र कार्यक्रमों का संचालन, विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय तथा श्रव्य-दृश्य प्रयोगशाला का आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, शिक्षार्थियों के तकनीकी स्वावलंबन हेतु टैबलेट तथा स्मार्टफोन के वितरण की सरकार की योजना का क्रियान्वयन, विश्वविद्यालय में शिक्षार्थी उन्मुख वातावरण का विकास आदि अनेक महत्वपूर्ण एवं नवीन प्रयोग आपकी प्रत्युत्पन्नमतित्व को उजागर करते हैं।

आपका गरिमामय व्यक्तित्व विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्रोत है। आपकी प्रेरणा व मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर विकास के सोपान पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय के विकास व उन्नति के लिए किए गए आपके प्रयासों एवं कार्यों के लिए भविष्य सदैव आपका ऋणी रहेगा।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी, परम-विद्वान, मानवीय गुणों की प्रतिमूर्ति माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी का अभिनंदन करते हुए हम सभी शिक्षकगण गौरवान्वित हैं। आपके प्रति आदर और सम्मान प्रकट करते हुए, हम ईश्वर से आपके निरंतर उन्नत, आरोग्य तथा दीर्घायुष् जीवन की मंगलकामना करते हैं।

10 जून 2025

समस्त शिक्षकगण
उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के सम्मान में अभिनंदन पत्र भेंट करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षकगण

मुक्त विश्वविद्यालय दृश्य श्रव्य माध्यम की तरफ आगे बढ़ रहा– प्रोफेसर सत्यकाम

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिवेश में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के आयाम निरंतर व्यापक होते जा रहे हैं। वैश्वीकरण के दौर में जब अर्थव्यवस्था निर्धारक भूमिका निभा रही है, ऐसे में व्यक्ति के समक्ष अपनी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ–साथ शिक्षा में प्रगति करना एक चुनौती बनता जा रहा है। इस परिस्थिति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा व्यक्ति को उसके शैक्षिक उन्नति का अवसर प्रदान करती है। कुलपति ने कहा कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा विभिन्न पद्धतियों का एक मिला–जुला रूप है। इसमें वर्तमान समय में ऑडियो विजुअल प्रणाली प्रमुखता से उभर कर सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि ऑडियो विजुअल पद्धति के प्रयोग के माध्यम से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा ज्ञान के वैश्विक प्रसार की ओर अग्रसर है। विश्वविद्यालय अब दृश्य श्रव्य माध्यम की तरफ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी शिक्षकों को स्वयंप्रभा चौनल के लिए कार्यक्रम तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों से विश्वविद्यालय की ख्याति अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होगी।

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के कार्यकाल के एक वर्ष के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर बधाई देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के कार्यकाल के एक वर्ष के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर बधाई देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी